वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 154 | रविवार 1 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में 'नेशनल कार्डियोलॉजी कॉन्फ्रेन्स'

'कार्डियक प्रिवेंट-2023' का हुआ शुभारम्भ, हृदय रोगों से बचाव और समय पर इलाज की उत्कृष्ट व्यवस्था सुनिश्चित हो: राज्यपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने चिकित्सकों का आह्वान किया है कि वे भारत में हृदय रोगों से बचाव और समय पर इलाज की उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए कार्य करें। उन्होंने तेजी से बढ़ते हृदय रोगों पर चिंता जताते हुए कहा कि हृदय रोगों से बचाव के लिए सभी के लिए सस्ता और सुलभ इलाज चिकित्सकों की प्राथमिकता होनी चाहिए। मिश्र शनिवार को एक होटल में 'नेशनल कार्डियोलॉजी कॉन्फ्रेन्स-कार्डियक प्रिवेंट-2023' के उद्घाटन समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कोविड के विकट दौर के बाद कम उम्र में हृदय से संबंधित बीमारियों के बढ़ने और इससे होने वाली मौतों की चर्चा करते हुए कहा कि इस पर चिकित्सा विशेषज्ञों को ध्यान देकर शोध-अनुसंधान के जरिए उपचार के नवीन तरीकों पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने चिकित्सा विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे कोई ऐसा मॉडल विकसित करें जिसके तहत हृदय रोगों के होने से पहले ही बचाव के लिए प्रभावी कार्य देशभर में हो सके। राज्यपाल ने सुझाव भी दिया कि केवल हृदय रोग विशेषज्ञ ही नहीं, सामान्य रोगों के चिकित्सकों को भी इस तरह से दक्ष-प्रशिक्षित किया जाना चाहिए कि वे हृदय रोगों के उपचार में सहायक बन सकें। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवसाय नहीं, सबसे पवित्र सेवा कार्य है। चिकित्सक को चाहिए कि वह कम से कम दवा और सस्ता सुलभ इलाज करते हुए अपने रोगियों को ठीक करने की दिशा में कार्य करें। इससे पहले कॉन्फ्रेंस से जुड़े विभिन्न सत्रों और विषयों के बारे में डॉ. समीन शर्मा, डॉ. विजय हरिकिसन, डॉ. राजीव गुप्ता, डॉ. राजीव बगरहट्टा और डॉ. दीपक माहेश्वरी ने विस्तृत जानकारी दी।

मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी गंभीरता और सावधानी से करें: मुख्य निर्वाचन आयुक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार तथा निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय और अरूण गोयल ने शनिवार को प्रदेश के सभी जिलों के कलक्टर और पुलिस अधीक्षक, सभी संभागों के आयुक्त तथा पुलिस रेंज महानिरीक्षकों के साथ बैठक कर विधानसभा आम चुनाव-2023 की तैयारियों की जिलेवार समीक्षा की। उन्होंने मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रगति की जानकारी ली और निर्वाचक नामावली को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने पर जोर दिया। आयोग ने मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी गंभीरता, सूक्ष्मता और सावधानी से करने को कहा। आयोग ने इपिक कार्ड की प्रिंटिंग और वितरण की भी जानकारी ली। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव खर्च की मॉनिटरिंग के लिए राज्य में शराब, ड्रग्स, नगदी और फ्रीबीज के परिवहन पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने आदर्श आचार संहिता के लागू होने का इंतजार न करते हुए ऐसे मामलों में तत्परता से कार्यवाही करने को कहा। आयोग ने बैठक में मतदान केंद्रों में व्यवस्था, ईवीएम और वीवीपैट की उपलब्धता व भंडारण तथा मानव संसाधन, वाहन तथा शिकायत निवारण प्रबंधन की भी समीक्षा की और कंट्रोल रूम को सक्रिय करने के निर्देश दिए।

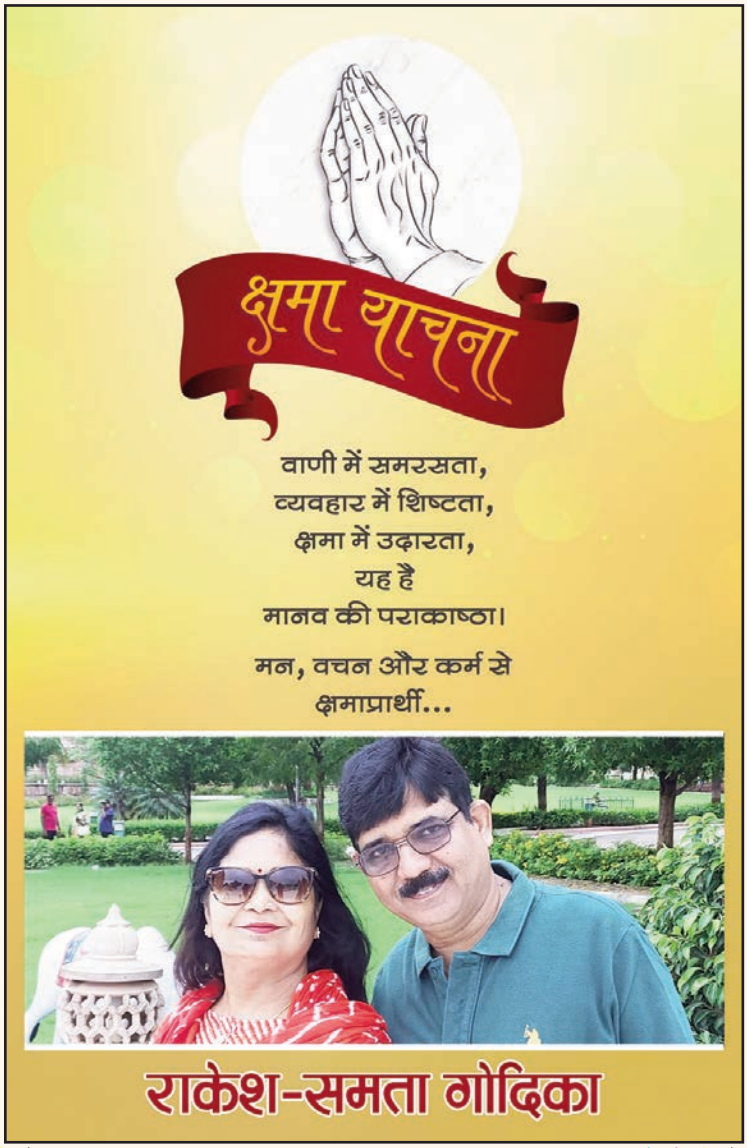

दस लक्षण पर्व पर शोभायात्रा निकाली

रत्नत्रय की शोभायात्रा के बाद मन, वचन, काय से क्षमा का भाव रखते हुए क्षमा वाणी का पर्व मनाया

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिडावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में दस लक्षण पर्व के दौरान सोलाह करण जी, पंचमेर जी, रत्नत्रय जी के व्रत, त्याग, तपस्या करने वाले तपस्वियों का जुलूस गाजे बाजे के साथ श्री सांवलिया पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बड़ा मंदिर से निकाला गया। तपस्वीयों की प्रभावना वह रत्नत्रय की शोभायात्रा बड़ें ही हर्ष और उल्लास के साथ बड़े मंदिर से प्रारंभ हुई। शोभायात्रा पिपली चौक, शहर मोहल्ला, सेठान मोहल्ला, खंडपुरा, नयापुरा होते हुए सभी मंदिरों में रत्नत्रय जी के अभिषेक करते हुए बड़े मंदिर पहुंची। बड़े मंदिर में पार्श्वनाथ भगवान का अभिषेक किया गया। शोभायात्रा में सभी तपस्वियों को बग्घी में बिठाकर गाजे बाजे के साथ निकाला गया। शोभायात्रा में सभी श्रावक सफेद वस्त्र में व श्राविकाये केसरिया साड़ी में भगवान की भक्ति करते हुए चल रहे थे। इस अवसर पर सोलाह कारण जी के 16 उपवास करने वाले अभिषेक कासलीवाल, पंच मेरू जी के पांच उपवास व रत्नत्रय जी तीन उपवास करने वाले अवधेश सिंह जैन, दो उपवास एक व्रत 10 दिन तक करने वाली स्नेहलता जैन, एक उपवास एक व्रत करने वाले नरेंद्र जैन, रत्नत्रय के तीन उपवास करने वाली शशि बाला, रेखा जैन, निलीमा जैन, रोशनी जैन आदि तपस्वीयों को समाज के द्वारा बहुमान किया गया। जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि जैन धर्म में क्षमा वाणी पर्व का बहुत महत्व है। इसमें प्राणी मात्र से अपने द्वारा विगत वर्षों में जाने अनजाने, व्यवहार से, बोलचाल से, हंसी मजाक में या किसी भी कारण कोई भूल हुई हो या किसी का मन दुखी हुआ हो या किसी के आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाई हो, उसके लिए मन, वचन, काय से क्षमा का भाव रखते हुए सबसे क्षमा याचना करते हैं। संध्या समय बच्चों को माला पहनाकर पुण्य लाभ अर्जित करते हैं।

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर गत वर्ष में हुए
ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना
Sunil jain 9828012800
Renu jain 8696212800
Santosh Gupta 9414050191
PROUD BNI MEMBER
May i help you
Term & General Insurance Consultants
Office: 303, Siddhi vinayak, Ashok Marg, Near Ahinsa Circle, C-Scheme, Jaipur Ph.: 0141-2372893, 2378187

गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में मनाया गया क्षमावाणी महापर्व

मानवता का पर्ण क्षमा से अंकुरित होता है

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी के तत्वावधान में क्षमावाणी का पर्व हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । भक्तों ने प्रातःकालीन गुरु माँ विज्ञाश्री माताजी के मुखारविन्द से होने वाली शान्तिधारा करने का सौभाग्य विमल भाणजा निवाई , अमित जैन खुरई , महेंद्र गंगवाल जोबनेर , नेमीचंद बनेठा वाले टोंक एवं महेंद्र चँवरिया वाले निवाई वालों ने प्राप्त किया । विज्ञातीर्थ क्षेत्र की गति विधि में चल रहे विविध आयोजनों , आराधनाओं और आयामों का लाभ निरन्तर यात्रियों को मिल रहा है । आगामी 1 अक्टूबर को श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में कोथून के वार्षिक उत्सव मेला के लिये गुरु माँ का पावन सान्निध्य प्राप्त होगा। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को क्षमावाणी पर्व का महत्व समझाते हुए कहा कि - क्षमा आत्मा का धर्म है। अंतरंग में कषाय रहित निर्मल परिणामों का होना ही क्षमावाणी पर्व का उद्देश्य है। क्षमावाणी पर्व जैनों का ही नहीं वरन अखिल विश्व के धर्मों का प्राण है क्योंकि मानवता का पर्ण क्षमा से ही अंकुरित होता है । सभा में उपस्थित सभी श्रावकगणों को एक - दूसरे से क्षमा याचना करवायी और संकल्प लिया कि भाई - भाई , पत्नी - पत्नी , आपसी रिश्तों में वैर - विरोध न करके प्रेम से रहने का सद्उपदेश दिया ।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति परिवार

प्लॉट नं. 8, ओझा जी का बाग, गाँधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर मो. 9414078380

आत्मशुद्धि के महापर्व दशलक्षण के पुनीत अवसर पर गत वर्ष में हुए ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

अध्यक्ष
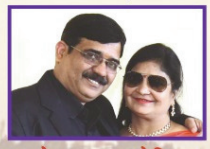
राकेश-समता गोदिका

संरक्षक

सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या

संरक्षक

दर्शन-विनिता जैन

परामर्शक

दिनेश-संगीता गंगवाल

कार्याध्यक्ष

मनीष-शोभना लोंग्या

सचिव

अनिल-निशा संघी

उपाध्यक्ष

सुनील-सुनीता गोदिका

उपाध्यक्ष

चक्रेश-पिंकी जैन

उपाध्यक्ष

राकेश-रेणु संघी

उपाध्यक्ष

विनोद-हेमा सोगानी

संगठन सचिव

राजेश-रीतु छाबड़ा

संगठन सचिव

राजेश-रानी पाटनी

संयुक्त सचिव

प्रदीप - प्राची बाकलीवाल

संयुक्त सचिव

चेतन-डॉ.अनामिका पापडीवाल

सांस्कृतिक सचिव

कमल-मंजु ठोलिया

खेल सचिव

राजेन्द्र-कुसुम जैन

कोषाध्यक्ष

अनिल-अनीता जैन

कार्यकारिणी सदस्य

अनिल-ज्योति जैन चौधरी

डॉ. अनुपम-विनिता जैन

सपन-रजनी छाबड़ा

विशेष आमंत्रित सदस्य

नितेश-मीनू पाण्ड्या

अनिल-प्रेमा रांवका

अशोक-अर्चना पटनी

अशोक सेठी

वेद ज्ञान

सत्य-सौरभ

सत्य-सौरभ है सत्य साध्य है और असत्य श्रमसाध्य। हम बड़े प्रयास से निरंतर अपने को ढकते जाते हैं और तब गढ़ते हैं असत्य की प्रतिमा। सत्य साध्य है और असत्य श्रमसाध्य। हम बड़े प्रयास से निरंतर अपने को ढकते जाते हैं और तब गढ़ते हैं असत्य की प्रतिमा। असत्य को ग्रहण करने में उसे बड़ा श्रम करना पड़ता है। एक सत्य को छिपाने में हमें अनेक झूठ का सहारा लेना पड़ता है। शिशु स्वभाव से निश्छल होता है, परंतु हम बड़े श्रम से उसे असत्य सिखाते रहते हैं। हमारी यह मिथ्या धारणा है कि उसे दुनियादार बनाने के लिए असत्य सिखाना जरूरी है। ऐसा करते रहने से परत-दर-परत उसके भीतर का सूर्य ढकता चला जाता है और वह झूठ के अंधेरे में भटकने के लिए मजबूर हो जाता है। अबोध बालक शत्रु-मित्र में भेद करना नहीं जानता है। वह दोनों को देखकर मुस्करा देता है और दोनों की गोद में जाने के लिए आतुर दिखाई देता है। हम उसके मन में भेद पैदा करते हैं। बालक जाति-पांति नहीं जानता। वह तो निरंतर समभाव में रहता है। उसके भीतर नफरत की दीवार हम स्वयं खड़ी करते हैं। बालक दरिद्र-संपन्न, कुलीन-अकुलीन, धर्म-पंथ, स्पृश्य-अस्पृश्य में भेद नहीं देखता। हम उसके सामने वर्जनाओं की बाधाएं खड़ी कर देते हैं, जिसके फलस्वरूप वह सत्य के मार्ग से भटक जाता है। हर व्यक्ति दावे के साथ कहता है कि उसे असत्य से नफरत है। मुझसे सत्य छिपाया नहीं जाता, परंतु होता है इसके उलटा। पति पत्नी से, मित्र मित्र से, सहयोगी अधिकारी से सत्य को छिपाता है। जब हम पग-पग पर असत्य का व्यवहार करेंगे तो सत्य का दीदार कैसे होगा? असत्य हमारे भीतर इतना गहरा पैठ गया है कि धुरंधर तत्वचिंतक भी दोहरी मान्यताएं ढोते रहते हैं। सत्य का सौरभ पाने के लिए मन की कुटिलता और चित्त की काई को साधना के मंजन से साफ करना होगा। सत्य के अमूल्य रत्न को पाने के लिए हमें कुछ मूल्य तो चुकाना ही होगा। वह मूल्य चुकाया था हमारे ऋषियों ने। वे सत्य की खोज में जंगलों और पहाड़ों में अखंड साधना करते रहे। चीनी यात्री नसांग ज्ञान की खोज में भारत आया था। सत्य की तलाश में वह गुरुकुलों और आश्रमों में गया। यहां से योग्य शिष्यों को लेकर चीन वापस गया और वहां सत्य के ज्ञान का बीज बोया। नसांग भारतीय धर्म-दर्शन की कुछ पांडुलिपियों को साथ ले गया, जिनमें साधना का सार था। इस प्रकार विश्व में पहुंचा भारत का ज्ञान-सूर्य।

संपादकीय

संपूर्ण विश्व को भारत का स्पष्ट संदेश

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिर देश की दृढ़ता का परिचय देकर दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया है। संयुक्त राष्ट्र के मंच से ही नहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका की धरती से भी भारतीय मजबूती का इजहार जरूरी और स्वागतयोग्य है। वे दिन गए, जब चंद देश दुनिया पर अपना एजेंडा थोपते थे। विदेश मंत्री ने कनाडा को भी काफी मुखर अंदाज में संदेश दे दिया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपना राजनीतिक फायदा देख रहा है। भारतीय राजनय का यह नया स्वरूप बहुतों को चौंका सकता है, पर ऐसा करने के अलावा भारत के पास और कोई गुंजाइश नहीं है। कुछ देश भारत के लिए हमेशा चुनौती पेश करते हैं। विशेष रूप से पिछले महीनों से खालिस्तान मामले में जिस तरह भारत पर दबाव डाला जा रहा है, उसकी सिर्फ निंदा और भर्त्सना ही की जा सकती है। भारतीय विदेश मंत्री ने फिर दोहराया है कि कनाडा को अपने आरोपों को साबित करने के लिए प्रमाण पेश करना चाहिए। बार-बार

कनाडा से प्रमाण मांगना भी भारतीय मजबूती का संकेत है। विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया है कि जैसे आरोप भारत पर लगाए जा रहे हैं, वैसी प्रवृत्ति भारत की कभी नहीं रही है। अमेरिका की धरती पर विदेश मंत्री ने यह भी साफ कर दिया है कि भारत की रूस के साथ दोस्ती बनी रहेगी। दरअसल, रूस की सीधी आलोचना से भारत लगातार बचता आ रहा है और इसलिए पश्चिमी देशों में भारत की आलोचना भी हो रही है। यह समझने की बात है कि भारत और रूस के बहुत गहरे व पुराने संबंध रहे हैं और एक युद्ध की वजह से भारत रूस से अपने संबंध तोड़ नहीं सकता। भारत युद्ध नहीं चाहता और यह बात रूस को एकाधिक बार बता चुका है, पर इसके आगे बढ़कर रूस के खिलाफ कुछ करना भारत उचित नहीं मानता। यह विडंबना है, पश्चिम देश अभी भी किसी न किसी प्रकार से रूस से संबंध रखे हुए हैं, पर उनकी कोशिश है कि भारत-रूस संबंध टूट जाए। रूस के संबंध में भारत की नीति का दृढ़ होना जरूरी है, जी-20 शिखर सम्मेलन के समय भी भारत ने यही किया था। न्यूयॉर्क में विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि रूस अब तक खुद को यूरोप से ज्यादा करीब महसूस करता था, पर अब वह एशिया की ओर मुड़ रहा है। विदेश मंत्री का यह इशारा यूरोप और अमेरिका के लिए भी चिंता का कारण होना चाहिए। भारत आज अमेरिका और यूरोप के साथ है, पर उसे अपने हित की भी पूरी चिंता है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि भारतीय विदेश मंत्री दुनिया के देशों में भारत की नई दृढ़ता और स्पष्टवादिता के लिए भी जाने जाते हैं। न्यूयॉर्क में उन्होंने विदेशी पत्रकार के सवाल के जवाब भी खास तल्खी के साथ दिए हैं। उनके स्वर और भाव में यह पीड़ा बार-बार झलकती है कि भारत को सही संदर्भ में नहीं समझा जा रहा है। उनसे पूछा गया कि हाल के दिनों में भारत के लोकतंत्र स्कोर को कम कर दिया गया है, इस पर जयशंकर ने दोटूक कहा कि ये रिपोर्टें पूर्वाग्रह-ग्रस्त व पक्षपातपूर्ण हैं।

-राकेश जैन गोदिका

नया भारत...

पश्चिमी देश इस बात के आदी नहीं हैं कि ''तीसरी दुनिया'' का कोई देश महाशक्ति का दर्जा हासिल कर ले। पिछली बार जब ऐसा हुआ था, यानी चीन का उदय, तो पश्चिम और चीन के बीच शीतयुद्ध शुरू हो गया। 1980 के दशक तक चीन गरीब देश था, लेकिन आज वह आर्थिक और टेक्नोलॉजिकल महाशक्ति बन चुका है। अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिम ने सोवियत संघ को तो शीतयुद्ध में हरा दिया था, लेकिन चीन के उदय के खतरे को वे समय रहते भांप नहीं सके। 1990 में चीन की जीडीपी 0.36 ट्रिलियन डॉलर थी और अमेरिका की 5.96 ट्रिलियन डॉलर। दोनों में 1700% का अंतर था। उस समय अमेरिका ही दुनिया का इकलौता दादा था। बोरिस येल्तसिन के नेतृत्व में रूस अराजकता से ग्रस्त था। तब व्लादिमीर पुतिन केजीबी के एक नामालूम अधिकारी भर थे। मई 1998 में जब भारत ने पोखरण परमाणु परीक्षण किया तो बिल क्लिंटन ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए थे। सीएनएन और अन्य अमेरिकी मीडिया ने भारत के खिलाफ बहुत जहर उगला। अमेरिका के पास 6 हजार से ज्यादा न्यूक्लियर मिसाइलें थीं, वह युद्ध में परमाणु बम का इस्तेमाल करने वाला इकलौता देश था और इसके बावजूद भारत के द्वारा शांतिपूर्ण परमाणु परीक्षण करने भर से उसे पश्चिम की आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था। 1990 के दशक में अमेरिका पूरे समय दुनिया पर किसी दरोगा की तरह रौब झाड़ता रहा। 1990-91 में खाड़ी युद्ध के दौरान उसने गठजोड़ बनाकर इराक पर धावा बोल दिया।

अतिशय क्षेत्र रैवासा के वार्षिक मेले के पोस्टर का हुआ विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। निकटवर्ती ग्राम रैवासा स्थित श्री 1008 दिगम्बर जैन भव्योदय अतिशय क्षेत्र का वार्षिक मेला रविवार, 15 अक्टूबर को विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ संपन्न होगा। क्षेत्र के शिरोमणि संरक्षक जयकुमार जैन-बड़जात्या ने अवगत कराया कि वार्षिक मेले के पोस्टर का विमोचन धर्म श्रेष्ठी राहुल-शिल्पी पहाड़िया, नवनीत-नमिता पहाड़िया एवं मोहित-दिव्या जैन ने किया। ज्ञातव्य है कि शेखावाटी क्षेत्र के इस अति प्राचीन जिन मंदिर के बारे में किंवदंती है कि यहां के खम्बों को आज तक कोई सही नहीं गिन पाया है। जयपुर, सीकर एवं पूरे शेखावाटी क्षेत्र के अनेक ग्रामों से दिगम्बर जैन श्रद्धालुगण वार्षिक मेले के दिन क्षेत्र पर आकर अतिशययुक्त देवाधिदेव 1008 श्री सुमतिनाथ भगवान के श्री चरणों में नमन कर अपने आप को धन्य समझते हैं।

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर गत वर्ष में हुए
ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

RAJEEV-SEEMA JAIN
MD

M/s. GULSHAN RAI JAIN-II
('AA' Class Govt. Contractor)

94140 54571, 99280 90772 gulshanraijain@gmail.com

श्री मुनिसुव्रतनाथ युवा मंडल की नवीन कार्यकारिणी का हुआ शपथ ग्रहण

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मुनिसुव्रतनाथ युवा मंडल की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है जिसमे सर्व सम्मति से अध्यक्ष अरुण सेठी, उपाध्यक्ष आयुष गंगवाल, मंत्री धीरेन्द्र मंगल, कोषाध्यक्ष नमन साँखुणियां, संगठन मंत्री अंकित मित्रपुरा, रुपेश छाबड़ा, प्रचार प्रासर मंत्री रचित जैन, दिनेश पंड्या, सांस्कृतिक मंत्री अंकिता श्रीमाल एवं डॉ प्रीति जैन का मनोनयन हुआ। प्रबंधकारिणी समिति अध्यक्ष मुकेश संघी एवं मंत्री अनूप जैन ने सभी नवीन पदाधिकारीगण को शुभकामनाएं दी तथा समाज एवं राष्ट्र उत्थान हेतु कार्य करने की प्रेरणा दी।

श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मंदिर जी बाकलीवालन में क्षमावाणी पर हुए श्रीजी के अभिषेक

जयपुर. शाबाश इंडिया

क्षमवाणी के पावन अवसर पर रश्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मंदिर जी बाकलीवालन विवार प्रातः श्री दिगम्बर जैन पार्श्वनाथ मंदिर जी बाकलीवालन में पड़वा के अभिषेक करने का सौभाग्य आशिष जैन अमन जैन को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पड़वा की श्री जी की माला पहनने का सौभाग्य श्रीमती सुशीला देवी, कमलेश कुमार , प्रेमलता बाकलीवाल को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर मंदिर जी अध्यक्ष प्रेम चन्द बाकलीवाल , मंत्री कमलेश जैन , प्रदीप जैन बाबूलाल गोधा , मोहन गोधा, निर्मल जैन, प्रकाश, महेश, सुरेश, सुधीर जैन 'लाली', अरुण एवं समाज के गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे।

चौमूं बाग जैन मंदिर में संस्कार पाठशाला संगोष्ठी आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। चौमूं बाग जैन मंदिर में चल रही संस्कार पाठशाला में शुक्रवार को अभिभावकों, बच्चों एवं पाठशाला संचालन परिवार के मध्य एक संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें अभिभावकों से बच्चों द्वारा प्राप्त धार्मिक ज्ञान की जानकारी के साथ-साथ सुझाव भी लिए गए। अभिभावकों ने पाठशाला संचालन समिति एवं सभी शिक्षक गण के कार्यों की सराहना करते हुए, यह सुझाव दिया कि पाठशाला को सप्ताह में 2 दिन चलाया जाए। पाठशाला की मुख्य शिक्षक श्रीमती सरोज देवी ने सभी अभिभावकगण एवं अन्य उपस्थित सभी महानुभावों का आभार प्रकट करते हुए निवेदन किया कि अधिक से अधिक अपने बच्चों को पाठशाला में नियमित भिजवाए। इसके उपरांत मंदिर जी के अध्यक्ष एवं है पाठशाला समन्वयक प्रेमचंद बडजात्या के परिवार द्वारा सभी उपस्थित छात्र एवं छात्राओं को पारितोषिक प्रदान कर उनका सम्मान किया गया।

चहुंओर घना अंधियारा है....

शाबाश इंडिया

वर्तमान में जैन समाज नेतृत्व विहीन है और विषम परिस्थितियों से गुजर रही है। जब से भाजपा की पूर्ण बहुमत वाली सरकार केन्द्र में पदासीन हुई है तभी से देश भर के विभिन्न राज्यों के जैनधर्मायतन पर अवैध कब्जा करने की खबरों से समाज का आम व्यक्ति चिंतित है।पहली सदी ई.पू. जिस कलिंग राज्य में महापराक्रमी जैन सम्राट खारवेल ने खंडगिरि उदयगिरि की गुफाओं का निर्माण कराकर जैनधर्म का परचम लहराया वहां की गुफाओं में बाबाओं ने कब्जा जमाकर भगवान पारसनाथ की खड्गासन प्रतिमा को गेरुआ रंग से रंग कर कपड़े पहनाकर देवी का रूप दे दिया है । कोर्ट से फैसला भी जैन समाज के पक्ष में आ गया पर हमारा नेतृत्व आज तक उस पर कब्जा नहीं ले पाया। नरेन्द्र मोदी जी गुजरात के मुख्यमंत्री क्या बने हमारा प्रसिद्धि निर्वाण क्षेत्र श्री गिरनार जी भी हमारे हाथ से फिसल गया है। उनके वरदहस्त ने गिरनार जी से हमारा अस्तित्व ही समाप्त कर दिया। सन् 2004 से न्यायालय में केस दायर है,स्टे भी मिला पर प्रशासन की मिली भगत से भ.नेमीनाथ के चरण ढंक कर वहां दत्तात्रेय की मूर्ति विराजमान कर दी गई। अब तो हद हो गई जब प्रशासन द्वारा गिरनार पर्वत को दत्तात्रेय पर्वत घोषित कर भ.नेमीनाथ का एक तरह से अस्तित्व ही मिटा दिया गया। पांचों टोंकों पर भी सभी के नाम बदलकर भगवाकरण कर दिया है। वहां अब पण्डों ने डेरा जमा लिया जो जैन मतावलंबियों से लड़ - झगड़ कर धमकाते रहते हैं और उन्हें फटकने भी नहीं देते। इस केस की तारीख पर तारीख मिलती रही पर अभी तक सुनवाई नहीं हुई। इंदौर स्थित गोमटगिरी घोषित रूप से जैन तीर्थ रहा है परंतु हमारे क्षेत्र के बगल में गुर्जर समाज ने अपना मंदिर बना लिया है और अब गोमटगिरी क्षेत्र की जमीन से जबरन रास्ता निकालने पर आमादा है। हाई कोर्ट ने सभी तथ्यों को बारीकी से देखकर अपने आदेश में जैन समाज को संरक्षण देने की बात कही है परंतु प्रशासन गुर्जर समाज को जमीन देने के लिए गोमटगिरी ट्रस्ट पर दबाव बनाए हुए है और हमें हमारी जमीन पर ही दीवाल नहीं उठाने दे रहा है। यही हाल भोपाल का है जहां मनु आभान टेकरी पर जैन तीर्थ के समीप राजपूत समाज को जमीन आवंटित कर आपसी सद्भाव को समाप्त करने की दिशा में भाजपा सरकार ने कदम बढ़ा दिया है । गुजरात के पालीताणा और पावागढ़ में विषम स्थिति पैदा करने में परोक्ष रूप से प्रशासन का ही हाथ दिखाई दे रहा है । राजस्थान में रणकपुर मंदिर पर तो कुदृष्टि है ही ऋषभदेव केसरिया जी का केस जीतने के बाद भी अभी तक जैन समाज के हाथ कुछ नहीं लगा वहां सब पण्डों के हाथ में है जो चढावे की भारी- भरकम राशि का दुरुपयोग कर रहे हैं। ग्वालियर के किले में स्थित जैन मंदिर पर सिंधिया जी ने कब्जा कर रखा है। विगत 7 - 8 वर्षों से चरणबद्ध तरीके से विभिन्न राज्यों के जैन तीर्थ पर कब्जा करने की बदनियत स्पष्ट दिखाई दे रही है। छुटपुट घटनाओं का होना तो आम बात है अभी हाल में खजुराहो के प्रसिद्ध जैन मंदिर भी हमसे छीनने का कुत्सित प्रयास प्रशासन द्वारा शुरू हो गया है। तीर्थराज सम्मेद शिखर पर भी प्रशासन की गिद्ध दृष्टि है उसे पर्यटन केंद्र घोषित कर वहां हमारे विरुद्ध आदिवासियों को खड़ा कर दिया गया है । मध्यप्रदेश के कुण्डलपुर में यक्ष यक्षिणी की मूर्ति को रुक्मणी की मूर्ति बताकर वहां भी भगवाकरण केन्द्रीय मंत्री की छत्रछाया में हो रहा है।चारों ओर से जैन समाज भगवाकरण की गिरफ्त में है। जैन समाज का केन्द्रीय नेतृत्व किंकर्तव्यविमूढ सा सब कुछ देखते हुए भी कुछ ठोस नहीं कर पा रहा है यह अनबूझ पहेली बनी हुई है। साधु संतों का ध्यान नित नये तीर्थों के निर्माण पर ही केन्द्रित है जिन पर भारी भरकम राशि खर्च की जा रही है पर आ.श्री सुनील सागर जी के अतिरिक्त अभी तक किसी अन्य साधु ने आवाज नहीं उठाई है। युवा वर्ग धर्म से विमुख हो रहा है फिर इन विशाल नव निर्मित तीर्थों का क्या हस्र होगा चिंतन का विषय है। खेद जनक स्थिति यह है कि जिस संगठन की इस कार्य को करने की जिम्मेदारी है वह भारतवर्षीय तीर्थक्षेत्र कमेटी चेतना शून्य दिखाई दे रही है। हां अपनी पत्रिका में कलरफुल संपादकीय में अपनी पीठ थपथपा कर अपने कर्तव्य की इतिश्री अवश्य कर लेते हैं।

-डा.अखिल बंसल
महामंत्रीः अ.भा.जैन पत्र संपादक संघ जयपुर (राज.)

साहित्यिक क्षेत्र में कामां का और समाज का पूरे देश में नाम रोशन करने पर जैन समाज कामां ने कवि डी के जैन मित्तल को किया सम्मानित

कामां. शाबाश इंडिया

कहते हैं कि किसी के अंदर कोई अगर प्रतिभा है और उस प्रतिभा को कोई भी अगर रोकने का प्रयास करे तो प्रतिभा मरती नहीं है। बल्कि प्रतिभा के मन में कुछ ऐसा जज्बा और जोश पैदा होता है कि वो पूरी मेहनत लगन शिद्दत के साथ कुछ भी कर गुजरती है। ऐसा ही कुछ वाक्या कामां के कवि डी के जैन मित्तल के साथ हुआ। यहां के चंद लोगों ने उन्हें हतोत्साहित करने का पूरा प्रयास किया लेकिन इससे कवि डी के जैन के मन में एक जुनून सवार हो गया कि अब मुझे इस कविता के क्षेत्र में कुछ ऐसा अच्छा करना है जिससे उनके कस्बे का नाम रोशन हो। उन्हें देश के सर्वाधिक लोकप्रिय कविता के शो 'वाह भाई वाह' में राष्ट्रीय टीवी चैनल पर अंतर्राष्ट्रीय कवि सुपरस्टार तारक मेहता फेम शैलेष लोढ़ा के द्वारा एपिसोड की शूटिंग के लिए आमंत्रित किया गया।

श्री सम्मेदशिखर की पैदल परिक्रमा 9 अक्टूबर को होगी

यात्रा का मंगलाचरण 2 अक्टूबर श्री भक्तामर अनुष्ठान से जयपुर में

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के सर्वोच्च तीर्थ क्षेत्र श्री सम्मेदशिखर, मधुबन झारखण्ड की परिक्रमा (चतुर्थ) करने के लिये इस बार विशेष कार्यक्रम श्री विद्यासागर यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस बार जयपुर और बाहर के सैंकड़ों की संख्या में यात्री तीर्थराज सम्मेदशिखर की वंदना और परिक्रमा करेंगे। यात्रा का मंगलचारण जयपुर में दिनांक 2 अक्टूबर को श्री भक्तामर अनुष्ठान से दिगम्बर जैन मंदिर कीर्ति नगर, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस यात्रा के दौरान दिनांक 5 अक्टूबर से 11 अक्टूबर के मध्य कई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे इसमें दिनांक 7 अक्टूबर को तीर्थराज की वंदना होगी, दिनांक 8 अक्टूबर को श्री सम्मेदशिखर विधान एवं आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की महापूजन और 9 अक्टूबर को तीर्थराज की चतुर्थ परिक्रमा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक दीपेश छाबड़ा ने बताया कि सम्मेद शिखर को जैन धर्म में सर्वोच्च स्थान दिया गया है। इस क्षेत्र से असंख्यात चौबीसी एवं अनन्तानन्त मुनीवरों ने कर्मनाश कर मोक्षपद प्राप्त किया है। वर्तमान चौबीसी के काल में यहाँ की 20 टोंकों से 20 तीर्थंकरों के साथ 86 अरब 488 कोड़ाकोड़ी 140 कोड़ी 1027 करोड़ 38 लाख

70 हजार 323 मुनियों ने कर्मों का नाश कर मोक्ष पद प्राप्त किया है। ऐसे सभी पापों की निर्जरा करने वाले पावन तीर्थराज की वंदना करने से 33 कोटि 234 करोड़ 74 लाख उपवास का फल प्राप्त होता है। आचार्यों ने लिखा है कि इस बारह योजन प्रमाण वाले सिद्ध क्षेत्र में भव्य राशि कैसी भी हो, अत्यन्त पापी जीव भी इसमें रहता हो, आता हो, बैठता हो अथवा जन्म लेता हो तो वह 48 भवों में नियम से कर्मों का नाश कर बन्धन से मुक्त हो जाता है। यात्रा संयोजक अखिलेश गंगवाल ने बताया कि इसके पूर्व भी श्री विद्यासागर यात्रा संघ, जयपुर द्वारा समय-समय पर भारत भूमि के कई तीर्थों की ऐतिहासिक पदयात्राएं आयोजित की हैं जिसमें जयपुर से श्री सम्मेदशिखर जी, गिरनार जी, चंपापुर और पावापुरजी और बड़े बाबा कुंडलपुर दमोह से अमरकंटक आचार्य श्री विद्यासागर महाराज को राजस्थान के लिए श्रीफल भेट करने जैसी लम्बी दूरी की पदयात्रायें सम्मिलित हैं।

राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में

सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमापना समारोह रविवार को रामलीला मैदान में

जयपुर स्थित आचार्य मुनिराजो, आर्यिका माताजी सहित आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में रविवार को करेगी त्यागी व्रतियों का सम्मान। सामूहिक अभिनन्दन सहित कई आयोजन होंगे।

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में सकल दिगम्बर जैन समाज का सामूहिक क्षमापना समारोह जयपुर स्थित आचार्य,मुनिराजों, आर्यिका माताजी सहित आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में रविवार ,01 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस मौके पर दस दिन एवं उससे अधिक दिनों के उपवास करने वाले 51 त्यागी व्रतियों का अभिनन्दन किया जाएगा। सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री मनीष बैद ने बताया कि राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा रामलीला मैदान में आयोजित इस समारोह में 10 दिवस, 16 दिवस, एक माह के उपवास करने वाले त्यागी व्रतियों का अभिनन्दन किया जाएगा। मुख्य समन्वयक अशोक जैन 'नेता' ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता सुधांशु-ऋतु कासलीवाल करेंगे।दीप प्रज्वलनकर्ता समाजश्रेष्ठी अशोक -शकुन्तला- अंकित चांदवाड, मुख्य अतिथि तुषार -अन्नू सोगानी, विशिष्ट अतिथि सुरेश -ललिता सबलावत तथा त्यागी व्रती सम्मान पुण्यार्जक राज कुमार -रानी टोंग्या होंगे। मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आयोजन के लिए अशोक जैन नेता को मुख्य समन्वयक, महेश काला को समन्वयक, राकेश छाबड़ा,भानू छाबडा,अनिल छाबड़ा, यशकमल अजमेरा, जिनेन्द्र जैन जीतू, राजीव पाटनी,आर के जैन रेलवे, मीना चौधरी को संयोजक बनाया गया है। समारोह हेतु दूर स्थित मंदिरों एवं कालोनियों से निः शुल्क बसों की व्यवस्था की गई है। समारोह में सुबह अल्पाहार एवं समापन पर समाज बन्धुओं के लिए सामूहिक वात्सल्य सहभोज रखा गया है।

स्वास्थ्य जाँच शिविर में परामर्श के साथ दवाई का भी किया वितरण

इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ के बेनर तले आयोजित हुआ मेडिकल केम्प

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ के बेनर तले रंगबाडी स्थित वृद्ध आश्रम में होम्योपैथी मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। क्लब सचिव डॉ. विजेता गुप्ता ने बताया कि इस मेडिकल कैंप में वृद्ध महिला एवं पुरुषों सहित 50 लोग लाभान्वित हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा इनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया शरीर की सूजन, दस्त, खांसी, बुखार इत्यादि बिमारियों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा चेकअप किया और उन्हें क्लब की और से निःशुल्क दवाई उपलब्ध करवाई गई। मेडिकल कैंप में डॉ. विजेता गुप्ता और डॉ. वीनू बावेजा ने अपनी चिकित्सीय सेवाएं प्रदान कीं। क्लब की और से शशि झंवर, प्रमिला पारीक, सुशीला मित्तल ने केम्प में सहयोग किया क्लब अध्यक्ष अर्चना माथुर उपाध्यक्ष सरिता भूटानी एवं आई पी पी शिखा अग्रवाल ने केम्प की सफलता पर क्लब की सभी पदाधिकारियों को बधाई दी।

"लाइफ टाईम अचीवमेन्ट अवार्ड" से ई. प्रदीप भण्डारी सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

ई. प्रदीप भण्डारी को दी इन्स्टीटयूट ऑफ इन्जिनियर्स इण्डिया एवं दी इन्स्टीटयूट ऑफ टेक्नीकल एण्ड साइनटिफिक रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर में आयोजित समारोह में भारत रत्न विश्वसरैया, प्रोफेसर रविन्द्र नागर, एमएनआईटी, डॉ. अमित जैन, कुलपति, एम ई टी यूनिवर्सिटी द्वारा तकनीकी प्रतिभाशाली जयपुर डिस्कॉम के पूर्व मुख्य अभियन्ता प्रदीप भण्डारी को नवाजा गया। चैयरमेन, इन्स्टीट्यूट ई. गुंजन सक्सैना ने वरिष्ठ इन्जिनियर्स एवं सदस्यों का स्वागत किया एवं इन्स्टीटयूट की स्थापना 1920 एवं 1935 में रॉयल चार्टर मिला तथा कार्यों की विवेचना की गई। मानद सचिव ई. सुदेश रूपराय ने विभिन्न राज्यों से आये इन्जिनियर्स एवं गणमान्य अतिथियों को धन्यवाद प्रेषित किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

नेट थियेट पर भजनमणी खूब जमी

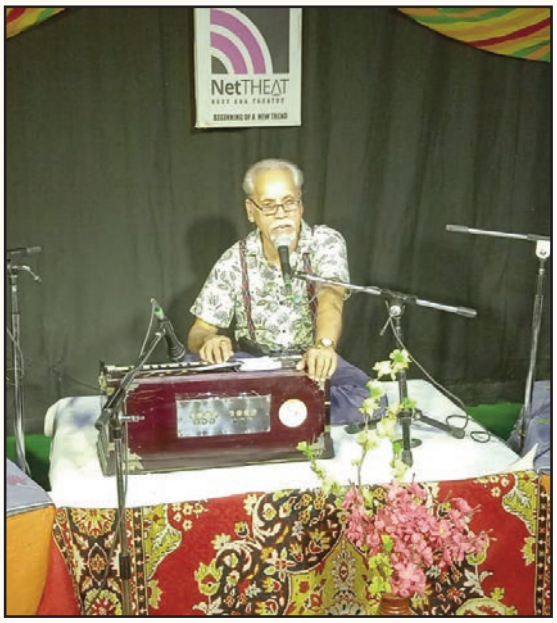

भज ले रे बंदा गोविन्दा, पूरण करेगें तेरा काम

जयपुर. शाबाश इंडिया नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज सुप्रसिद्ध भजन गायक अवध बिहारी माथुर ने अपने मधुर कण्ठ से राग कलावती में हनुमान चालीसा गाकर दर्शकों को भक्ति रस से सराबोर किया। नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि भजन गायक अवध बिहारी ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत गणेश भजन गजमुख सुख कारिन नमो नमो बडी तल्लीनता से सुनाया। इसके बाद उन्होने श्रीहरि शास्त्री द्वारा लिखित राग भैरवी में अये जगदम्बीकै मुझको तुम्हारा ही सहारा है फिर राग विहाग में प्रेम मुदित मन से कहो राम राम और अंत में उन्होंने स्वरचित भजन तेरी महिमा के क्या गुण गाउं में जग जाहिर है तेरी महिमा सुनाया तो दर्शक वाह वाह कर उठे। ज्ञात रहे कि अवध बिहारी माथुर पिछले बारह वर्षों से खोल के हनुमान मंदिर में निरंतर प्रत्येक रविवार को हनुमान चालीसा के ग्यारह पाठ निरंतर बिना रूके कर रहे है। इनके साथ गिटार पर उत्तम माथुर और ऑक्टोपेड पर राघवेन्द्र माथुर ने शानदार संगत कर भजनमणी कार्यक्रम को साकार किया। कैमरा मनोज स्वामी संगीत संचालन सागर गढवाल और मंच सज्जा मनीष योगी, जीवितेष शर्मा और अंकित शर्मा नोनू की रही।

चित्रकूट जैन मंदिर में पंचामृत अभिषेक हुए

जयपुर. शाबाश इंडिया। सांगानेर चित्रकूट में दश लक्षण पर्व के समापन पर पड़वा के पंचामृत अभिषेक हुए मंदिर कमेटी के अध्यक्ष केवल चंद जैन , मंत्री अनिल बोहरा ने वरिष्ठ नागरिकों का , तेले करने वाले तपस्वी का तथा मीडिया प्रभारी दीपक जैन पहाड़िया का सम्मान किया। मंदिर के पदाधिकारी ओम जैन कटारिया, सत्यप्रकाश जैन , योगेश पाटनी, नवयुवक मंडल के सुरेंद्र जैन सोगानी, मनीष जैन पाटनी ने पड़वा की माल के पुण्यार्जक परिवार प्रदीप कुमार, विमल कुमार, बाकलीवाल सांवरिया वाले को पड़वा के कलश की माल पहनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

क्षमा शब्द मानवीय जीवन की आधारशिला-आर्यिका विशेष मति

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में शनिवार को क्षमा वाणी पर्व भगवान के शुद्ध जल से मंत्रोचार के साथ कलाशाभिषेक से शुरू हुआ। बालयोगिनी आर्यिका विशेष मति माताजी के पावन सानिध्य में जन समूह से भरे पांडाल में क्षमा वाणी का पर्व मनाया गया जिसमे प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने समाज के प्रमुख कार्य कताओं सहयोगियों का शब्दों से भाव पूर्ण अभिनंदन किया तथा आर्यिका माताजी व समाज से मन वचन काय से क्षमा माँगी । इधर तेला करने वालों एवं त्यागी व्रतियों का प्रबंध समिति ने तिलक माला से स्वागत किया । संस्थान से पधारे विधानाचार्य शिखर चन्द जैन , किरण जैन का समिति ने आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन किया ।श्री जी की परम्परागत माल पहनने का सोभाग्य केसर देवी राकेश नवीन बाकलीवाल मित्रपुरा वाले परिवार को मिला । आर्यिका श्री ने अपने संक्षिप्त आशीर्वचन में कहा की क्षमा शब्द मानवीय जीवन की आधारशिला है। हर छोटे-बड़े जीवों से क्षमा मांगनी चाहिए। क्षमा हमें अहंकार से दूर करके झुकने की कला सिखाती है। क्षमावाणी पर्व पर क्षमा को अपने जीवन में उतारना ही सच्ची मानवता है।

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशियां हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना

रोट./लॉयन पीयूष मोनाली सोनी जैन,
मास्टर भव्य सोनी

लॉयनस क्लब इंटरनेशनल रीजन कॉर्डिनेटर
-क्लाइमेट ऐक्शन डिस्ट्रिक 3233 ई-1
सीनियर वाइस प्रेसिडेंट रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ
पूर्व महामंत्री: जयपुर शहर कांग्रेस कमेटी
पूर्व अध्यक्ष: जैन सोशल ग्रुप पर्ल

निवास-वैशाली नगर, जयपुर मो. 9351880001

मिच्छामि दुक्कडम

जीवन यात्रा में चलते चलते स्वार्थ-मोह
अज्ञानतावश अगर आपका दिल दु:खा हो तो,
हम सभी परिवारजन समस्त भूलों के लिए...
सच्चे दिल से क्षमायाचना करते हैं।

डा. एम.एल. जैन ''मणि''-डॉ. शान्ति जैन ''मणि''
डॉ. मनीष जैन ''मणि''- डॉ. अलका जैन
रितु, श्रेय एवं हार्दिक जैन
एम्बीशन किड्स एकेडमी परिवार 9828088810

"जाने-अनजाने में हम से कोई भूल हुई
या हमने आपका दिल दुखाया हो तो
मन, वचन, काया से "उत्तम क्षमा"
समभाव रखते हुए "पर्युषण" महापर्व पर
हम आपसे मन, वचन, काया से
"क्षमा याचना" करते हैं।"

प्रकाश चन्द चांदवाड़
मनोरमा जैन चांदवाड़
अध्यक्ष:-
श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर, दुर्गापुरा, जयपुर,
निवास:- 84 चन्द्रकला कॉलोनी, दुर्गापुरा, जयपुर
मो. 9352584137

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर गत वर्ष में हुए
ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए
क्षमा याचना

रमेश-सुनीता, लोकेन्द्र-सोनीका, योगेंद्र व तत्वार्थ गंगवाल
मं. न. 1127 महावीर पार्क के पास,
मनीहारों का रास्ता जयपुर-302003

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर गत वर्ष में हुए
ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

PARAS-MONA
Nimisha, Nischal
Sogani Family Sanganer
Aupreksha Shubham Kasliwal

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर गत वर्ष में हुए
ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

अरुण (मटरु) - कार्यकारिणी सदस्य, महावीर शिक्षा समिति, जयपुर
आशा काला - पूर्व पार्षद, नगर निगम, जयपुर
ऋषभ काला
आयुषी - अर्पित गोधा, दित्या गोधा

नवीन सेन जैन
राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष
शशी सेन जैन
अंचल उपाध्यक्ष

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर गत वर्ष में हुए
ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

दिगंबर जैन महासमिति

जाने में अनजाने में,
मन के वचन सुनाने में
अगर टूटा हो आपका मन
तो क्षमावाणी के इस पर्व पर
दे दीजिये हमें क्षमा का दान

नरेश-अनिता जैन
रूपक-शिप्रा जैन, अमायरा, अर्हम जैन
81/61 पटेल मार्ग मानसरोवर

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशिया हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना

अनिल-अनिता जैन
अध्यक्ष : श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन
युवा महासभा, जिला जयपुर

परम संरक्षक: अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन सेंटल यूथ विंग, जयपुर
सचिव: रोटरी कल्ब जयपुर नॉर्थ
राष्ट्रीय संयोजक: श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा (सदस्यता प्रकोष्ठ)
प्रोजेक्ट डायरेक्टर: चित्रकला प्रतियोगिता, आर.जे. ओ.
परम संरक्षक: अखिल भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् जिला जयपुर
अध्यक्ष (टोंक रोड) : अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद
उपाध्यक्ष: सखी गुलाबी नगरी
सांस्कृतिक मंत्री : श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा

नवकार किचन एंड हार्डवेयर नवकार इंटीरियर्स
शॉप न. 22 न्यू आतिश मार्केट, जयपुर मो. 9530297446

आत्मशुद्धि के महापर्व पर्यूषण के पुनीत अवसर पर गत वर्ष में हुए
ज्ञात-अज्ञात अविनय, राग-द्वेष मनोमालिन्य के लिए क्षमा याचना

एम.एस.ज्वैलर्स

मुकेश सौगानी 98290-56224
मनोज सौगानी 97999-98984
मनन सौगानी 97999-98981

MS Jewellerys
54 पहली मंजिल,
कानोता मार्केट,
हल्दियों का रास्ता,
जौहरी बाजार, जयपुर
2575224, 2571304

सभी प्रकार के चाँदी के बर्तन, जेवर एवं चाँदी के छत्र, सिंहासन, पाण्डुशिला,
भामण्डल, पूजा के बर्तन, आरती, दीपक,
सभी प्रकार के जैन मन्दिर के आईटम एवं चाँदी,
तांबे के सिक्के एवं चाँदी से निर्मित फर्नीचर के निर्माता एवं विक्रेता
mukeshsoganimsj@yahoo.co.in

क्षमावाणी महापर्व मनाया, सामूहिक कलशाभिषेक किया

राजेश अरिहंत. शाबाश इंडिया

टोंक। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा शनिवार के दिन चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर पुरानी टोंक में प्रातः भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा के पश्चात तेरह दीप विधान की पूजा के समापन अवसर पर महा अर्ध्य चढ़ाया गया मंदिर समिति के अध्यक्ष देवराज काला मंत्री चेतन बिलासपुरिया ने बताया कि उक्त विधान पंचमी से लगातार ग्यारह दिनों तक मंदिर में चल रहा था जिसके तहत कुल 458 अर्ध्य एवं श्रीफल चढ़ाए गए विधान की पूणार्हुति पर आज उपस्थित श्रद्धालुओ कमल शेखर, पारस, मनीष, राहुल, प्रेमलता, सुमन रतन देवी स्नेह लता मंजू सहित सैकड़ो श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारों के बीच महा अर्ध्य चढ़ाकर भगवान से आशीर्वाद लिया। समाज के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा सायंकाल पुरानी टोंक स्थित मंदिर से जी को गाजे- बाजे के साथ नाचते हुए सिर पर धारण करके बधाईयां गाते हुए श्रद्धालुओं द्वारा पार्श्वनाथ भवन लाकर रजत जड़ित समोशरण में विराजमान किया गया इसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया तत्पश्चात नव देवता पूजा ,चौबीस तीर्थंकर पूजा ,भगवान आदिनाथ ,पार्श्वनाथ, शांतिनाथ, नेमिनाथ की विशेष पूजा अर्चना कर अर्ध्य चढ़ाये गए तत्पश्चात बैंड बाजों की मधुर धुनों के बीच भजन गाते हुए भगवान के सामूहिक कलशाभिषेक किए तत्पश्चात भगवान की महाआरती की गई। क्षमावाणी पर्व के तहत छोटों ने बड़ों के पांव छूकर क्षमा मांग कर आशीर्वाद लिया उपस्थित जैन समाज के लोगों ने एक दूसरों से क्षमा मांगी समाज के लोगों ने एक दूसरे के घर जाकर गलतियों की क्षमा मांगी। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष रमेश छाबड़ा, मंत्री शैलेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष चेतन जैन ,प्रदीप मनोज अशोक छाबड़ा पदम धनराज अनिल राकेश मधु संगीता शालिनी रीटा संजू अनीता प्रतिभा प्रीति सहित टोंक शहर के समस्त क्षेत्रों के जैन धर्मावलंबी पारसनाथ भवन में मौजूद थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने किया स्वीप प्रदर्शनी का उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय और अरूण गोयल ने रविवार को जयपुर के राज्य कृषि प्रबंध संस्थान, दुगार्पुरा में निर्वाचन विभाग की ओर से लगाई स्वीप प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने प्रदर्शित की गई स्वीप गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि स्वीप प्रदर्शनी में लोगों को मतदान के लिए जागरुक करने के लिए विभिन्न जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा किए गए नवाचारों को दशार्या गया। इन नवाचारों से पूरे प्रदेश में मतदाताओं के बीच मताधिकार के महत्व का संदेश पहुंच रहा है। प्रदर्शनी में बाड़मेर की 200 फीट लंबी जागरूकता मतदाता फड़ ने जहां हर किसी का ध्यान खींचा, वहीं युवाओं और नव मतदाताओं को जागरुक करने के लिए खास तौर पर एछउ क्लब कार्टून्स और वर्चुअल रियलिटी का सहारा लिया गया। दिव्यांगकर्मियों द्वारा संचालित आदर्श मतदान केन्द्र, स्वीप के थैमेटिक पैनल एग्जिबिशन, सेंड आर्ट एगिजिबशन और पेंटिंग गैलरी आकर्षण का केंद्र रहे।

नेमीसागर कालोनी जैन मंदिर में सामुहिक क्षमावाणी पर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेमीसागर कालोनी स्थित जैन मंदिर में दसलक्षण महापर्व उपरान्त समाज ने सामुहिक क्षमावाणी पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। इससे पूर्व श्रीजी के कालशाभिषेक किए गए। सांयकाल में वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया। अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि इस अवसर पर पुरस्कार वितरण के पुण्यार्जक अनिल - सुमन, निकुंज - नंदिनी जैन मणिपुर इम्फाल वाले थे। समारोह में गत दस दिनों में सहयोग देने वाले समाज सेवियों का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। आरती सजाओं प्रतियोगिता के विजेताओं को किरण जैन द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।सांयकाल मे वार्षिक कलशाभिषेक की बोली बुलबुल देवी गंगवाल एवं परिवार द्वारा ली गई। कार्यक्रम में जैन समाज के गणमान्य व्यक्ति तथा काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे एवं क्षमा याचना की।

आचार्य श्री 108 सौरभ सागर जी महा मुनिराज का दुर्गापुरा में मंगल प्रवेश हुआ

आचार्य श्री के सानिध्य में क्षमावाणी महापर्व मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। दुर्गापुरा स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी में परम पूज्य आचार्य श्री 108 सौरभ सागर जी महा मुनिराज के सानिध्य में सामूहिक क्षमावाणी महापर्व में दिनांक 30 सितंबर 2023 शनिवार को सांयकाल 6.00 बजे पंचामृत अभिषेक हुए। कार्यक्रम के अध्यक्ष जी सी जैन साहब मुख्य अतिथि सुरेश दोसी इन्कमटैक्स कालोनी, दीप प्रज्जवलनकर्ता प्रदीप कुमार - नीलम पाटोदी श्री विहार दुर्गापुरा थे। श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि क्षमावाणी की श्री जी की माला पहनने का सोभाग्य अशोक कुमार निखिल सेठी रेनवाल वाले परिवार ने प्राप्त किया। सम्मान समारोह में मंगलाचरण श्रीमती मोना चांदवाड़ ने प्रस्तुत किया। चंदनमल अजमेरा ,गुलाबचंद गंगवाल ,डॉक्टर प्रेमचंद रांवका, स्थानीय विद्वानों के साथ पंडित दीपक जी शास्त्री 22 मेधावी विद्यार्थियों का, 8 तेला करने वाले तपस्वियों का, मंदिर जी के व्यवस्थापक व सेवक का ट्रस्ट की ओर से सम्मान किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष, मंत्री, कार्याध्यक्ष सतेन्द्र पांड्या, कोषाध्यक्ष विमल कुमार गंगवाल उपाध्यक्ष सुनील कुमार संगही व नरेश बाकलीवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। आचार्य श्री के मंगल आशीर्वचन हुए। मंत्री ने आभार व्यक्त किया एवं क्षमा याचना की।अन्त में सभी ने आपस में एक दुसरे से मिल कर क्षमा याचना की। मंच संचालन यशकमल अजमेरा एवं मंत्री ने किया।

जैन समुदाय ने मनाया क्षमावाणी का महापर्व

जाने अनजाने हुई गलतियों के लिए मन वचन काय से मांगी क्षमायाचना

वी के पाटोदी. शाबाश इंडिया

सीकर। क्षमावाणी पर्व या ' क्षमा दिवस' दिगंबर जैन धर्मावलंबियों द्वारा मनाया जाने वाला एक खास महापर्व है। दिगंबर अनुयायियों द्वारा यह पर्व आश्विन मास कृष्ण पक्ष की एकम के दिन मनाया जाता हैं इस पर्व पर अपने आत्मिक शुद्धता के लिए सबसे अपने भूलों की क्षमा याचना की जाती है। यहां माफी मांगने का मतलब यह नहीं कि आप गलत हैं और दूसरा सही। यह पर्व एक दूसरे के प्रति मैत्री भाव बनाए रखने हेतु पहल करने का विशेष दिन हैं। सीकर जैन समाज द्वारा भी सामूहिक रूप से ये त्योहार शनिवार को मनाया गया । प्रातः शहर के सेठी कॉलोनी स्थित जैन मंदिर में क्षमावाणी के कलशाभिषेक हुए । सांयकाल शहर के बजाज रोड़ स्थित श्री दिगंबर जैन तेरहपंथी पंचायत नया मंदिर व जाट बाजार स्थित श्री दिगंबर जैन तेरहपंथ आमनाय बड़ा मंदिर दीवान जी की नसियां में क्षमावाणी के कलशाभिषेक हुए । मंदिर कमेटियों द्वारा व्रतियों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। सांयकाल शहर के बावड़ी गेट स्थित श्री दिगंबर जैन बीस पंथ आमनाय बड़ा मंदिर में क्षमावाणी के अवसर पर विशेष पंचामृत अभिषेक हुए व महाआरती हुई । बड़ा मंदिर कमेटी के मंत्री अजित जयपुरिया व सदस्य अभिनव सेठी ने बताया कि समस्त मांगलिक क्रियाओं का सौभाग्य बाबूलाल प्रदीप कुमार मनोज कुमार अभिनव कुमार अंशुल कुमार बाकलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ । विवेक पाटोदी ने बताया कि क्षमावाणी के कलशाभिषेक पश्चात उपस्थित समाज के लोगो ने एक दूसरे से उत्तम क्षमा कहकर जाने अंजाने हुई भूलों के लिए क्षमायाचना की । क्षमावाणी के अवसर पर प्रातः से ही जैन समाज के लोगों ने छोटों ने बड़ों को धोक देकर क्षमा याचना की , वही हम उम्र के लोगों ने आपस में गले मिलकर , हाथ जोड़कर एक दूसरे से क्षमा मांगी। इसके बाद समाज के लोगों ने संबंधियों के घर पर जाकर व कई ने मोबाइल व वॉट्सऐप पर मैसेज भेज कर अपने रिश्तेदारों से क्षमा याचना की। उत्तम क्षमा का अर्थ सबको क्षमा, सबसे क्षमा, उत्तम क्षमा धर्म हमारी आत्मा को सही राह खोजने में और क्षमा को जीवन और व्यवहार में लाना सिखाता है। जिससे सम्यक दर्शन प्राप्त होता है। सम्यक दर्शन वो चीज है, जो आत्मा को कठोर तप त्याग कि कुछ समय की यातना सहन करके परम आनंद मोक्ष को पाने का प्रथम मार्ग है। इस दिन बोला जाता है सबको क्षमा, सबसे क्षमा । विवेक पाटोदी ने बताया कि क्षमावाणी के अवसर पर रविवार को प्रातः तबेला बाजार स्थित आदिनाथ चैत्यालय, देवीपुरा स्थित श्री चंद्रप्रभु जैन मंदिर व सांयकाल कोतवाली रोड़ स्थित पदमप्रभू जैन मंदिर में क्षमावाणी के कलशाभिषेक होंगे ।

मुहाना मंडी जैन मंदिर में पढ़वा को सायंकाल पंचामृत कलशाभिषेक भक्ति भाव किये

जयपुर. शाबाश इंडिया

चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, मोहनपुरा, मुहाना मंडी, जयपुर में शुक्रवार दिनांक 30 सितंबर को पढ़वा के दिन प्रातः 7.00 बजे श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान जी के अभिषेक, शान्ति धारा करने का सोभाग्य पवन कुमार-सरोज, प्रतीक-रूचि, आध्या, मानवी गोदीका, पारस विहार, मोहनपुरा, जयपुर वालों को मिला। मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन कुमार गोदीका ने बताया कि सरोज गोदीका ने रत्नत्रय का तीसरा तेला किया,उन्हें पारणा कराने हेतु संत भवन तक समाज साधर्मी बन्धुओ के साथ बड़ी धुमधाम के साथ ले जाया गया। सायंकाल पार्श्वनाथ भगवान के पंचामृत कलशाभिषेक करने का सोभाग्य प्रतीक गोदीका, रतन बड़जात्या, मोतीलाल छाबड़ा, सिवाड़ वालो के पोते एवं अशोक अजमेरा जी को मिला। आस-पास की कालोनी वाले साधर्मी बन्धुओ ने पढ़वा को श्री जी के पंचामृत कलश देखकर एवं सामुहिक आरती कर पुण्यार्जन का संचय किया, आज की भगवान जी की माल पहनने का सोभाग्य सत्येंद्र-नीरू,शशांक वैद परिवार को मिला।

41वे दीक्षा दिवस पर विशेषः निर्यापक श्रमण तीर्थ चक्रवर्ती मुनि पुगंव श्री 108 सुधासागरजी महाराज

शाबाश इंडिया

भारतीय संस्कृति संत समाज संस्कारो से चल रही है यही कारण है कि इस वसुधा पर आज भी संत परम्परा अक्षुण्ण है भारत भूमि रत्न गर्भणी हैं यह भूमि में जहाँ उगलती हैं वही चेतन्य रत्न भी अपनी आभा से जगत को प्रकाशित करते रहते हैं उन्हीं चेंतन रत्न की जीवन झाँकी की ओर चले हम मध्यप्रदेश के सागर शहर से पैंतालीस किलोमीटर दूर विंध्यगिरि की सुरम्य पहाडियों के बीच स्थित एक घने जंगलों में कभी स्थित अतिशय क्षेत्र ईशरवारा तीर्थ क्षेत्र है तीर्थ के पर्वत पर भगवान श्री शान्तिनाथ स्वामी की नौ फीट उतंग प्रतिमा के साथ ही कुंथनाथ और अरहनाथ उतंग अतिशय कारी प्रतिमाएं विराजमान हैं तथा पहाड़ी की तलहटी में ग्राम ईशरवारा में सन् 1958 में मोक्ष सप्तमी के दिन प्रमुदित करने वाला सूर्योदय के रूप में बालक का जन्म हुआ, जिसका नाम जयकुमार रखा गया। सारा परिवार एवं ग्राम खुशहाली से झूम उठा तथा रिश्तेदार एवं ग्रामवासियों की बधाईयां आने लगीं। वालक का नाम जयकुमार रखा गया बालक जयकुमार माता-पिता के दुलार से प्यारा की छाया में बढ़ता हुआ वचपन से ही मन्दिर जाने के संस्कार थे एक दिन एक तेज तरार दादाजी ने वालक जय से अभिषेक करने को कहा उन्होंने पार्श्वनाथ जी फड़ सहित अभिषेक कर दिया तो बाबा नराज होने लगे तव जय वोले ऊपर के फड़ को तो छोड़ देगे और ये नीचे सांप वना हैं उसका क्या यह सुन व्रद्ध अवाक रह गये बालक किशोर एवं कुमार अवस्था को प्राप्त हुआ एवं लौकिक शैक्षणिक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा से प्रतिभासित होता हुआ सागर विश्वविद्यालय से बी.कॉम की डिग्री हासिल कर ली, किन्तु लौकिक शिक्षा मात्र से तृप्ति नहीं मिलती है, परिणामस्वरूप

अध्यात्मरूपी शोध की खोज करता हुआ सिद्ध क्षेत्र कुण्डलपुर पहुंचा और वहां एक गौर वर्ण वाले नग्न साधु आचार्य श्री विद्यासागरजी को देखा, इन्हें देखकर आध्यात्मिक शोध का अपना निर्देशक मन ही मन बना लिया एवं इस प्रकार कई बार जयकुमार कई जगह अपने निर्देशक से मौन-निर्देशन लेते रहे व ब्रह्मचारी व्रत ग्रहण किया। आचार्य महाराज अभी तक आपके पास सफेद बाल वाले आते थे, लेकिन इस बार काले बाल वाले आए हैं, तब आचार्यश्री मुस्कराते हुए बोले कि सफेद बाल वाले आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन काले बाल वाले वापिस नहीं जाते। बस फिर क्या था यही निर्देशन निर्देशक का शोधकर्ता जयकुमार को अचानक गुरू प्रथम बार मिला था। इस निर्देशन पर ही कुछ कार्य घर आकर होमवर्क के रूप में किया और फिर सिद्ध क्षेत्र नैनागिरि में दीपावली के दिन आप दोबारा पहुंचे तो फिर क्या, शोध कार्य लिखित रूप से शुरू कर दिया। अर्थात 5 वर्ष का ब्रह्मचर्य व्रत ले लिया। इसी दिन क्षुल्लक समयसागरजी की एकल दीक्षा हुई थी, अपने इस व्रत की जानकारी किसी को भी नहीं दी और गुप्त रूप से अपनी साधना करने लगे। कुछ दिन ब्रह्मचारी जयकुमारजी को तीर्थयात्रा करने का विकल्प आया और आप सिद्धक्षेत्र नैनागिरि आचार्यश्री के पास आशीर्वाद लेने गए और आचार्यश्री से बोले कि मैं तीर्थ यात्रा के लिए जा रहा हूँ।तब आचार्यश्री ने जयकुमार के चहरे को देखा और न जाने इनके चेहरे में आचार्यश्री ने क्या बांच लिया और धीरे से बोले तीर्थ यात्रा का आशीर्वाद लेने आए हो, यदि आपके लिए ही तीर्थ बना दिया तो कैसा रहेगा ? बस, इस वाक्य से आपको ऐसा लगा मानो शोध कार्य पूरा हो गया और निर्देशित किया गया कि थीसिस सब्मिट कर दो। जयकुमारजी कुछ मुख से बोलते कि इससे पहले उनका मस्तिष्क स्वतः ही गुरूदेव के चरणों में झुक गया और गुरू ने अपने वरदहस्त एवं मयूर पिच्छिका सिर पर रख दी और कहा कि यही मयूर पिच्छिका अब आपको हाथ में लेना है। वह दिन 8जनवरी, 1980 का था। एक दिन के अन्तराल के बाद 10 जनवरी, 1980 को आचार्यश्री ने ब्रह्मचारी जयकुमार को क्षुल्लक दीक्षा दे दी, नाम रखा श्री परमसागर। इसके बाद लगभग दो साल बाद सागर में दूसरी वाचना के समय वर्णी भवन मोराजी की शांति कुटी में आपकी ऐलक दीक्षा हुई। इस प्रकार गुरू की छाया में आध्यात्मिक साधना करते हुए गुरू के साथ अनंतों तीर्थंकरों की सिद्धस्थली अनादि अनिधन सिद्ध क्षेत्र सम्मेदशिखर की यात्रा की। इसी सिद्ध क्षेत्र की तलहटी में एवं गणेश प्रसादजी वर्णी की साधना एवं समाधि स्थली दूसरी (कोलकाता) में संघ सहित चातुर्मास की स्थापना हुई। इसी चातुर्मास में सन् 1983, 25 सितम्बर अश्विनी कृष्ण तीज मुक्ति का बीज, रत्नत्रय को अंकुरित करने के लिए आपको जैनेश्वरी दीक्षा आचार्यश्री द्वारा दी गई और नाम रखा पूज्य मुनि सुधासागरजी महाराज प्रखर चिंतक, उत्कृष्ट मुनि, हृदय कवि, तेजस्वी वक्ता और भगवान महावीर की प्रतिमूर्ति तथा जैन मनीषी संत हैं। आपका हृदय इतना विशाल है फिर भी इतना सरल है कि इसमें पक्ष-प्रतिपक्ष सभी समाहित हो जाते हैं। आपके प्रवचन साहित्यिक एवं धार्मिक दृष्टि से पूर्ण निर्दोष रहते हैं। आपकी ओजस्वी वाणी सरल, सुबोध, स्व'छ, निर्मल, निश्चल, मर्मस्पर्शी, हृदय को छूने वाली और श्रोता एवं पाठक के हृदय पर एक चिरस्थायी प्रभाव डालती है। आपके प्रवचनों में अपूर्ण गांर्मिय तथा जादुई में अद्भुत शक्ति है। कैसा भी धर्मविरोधी नास्तिक क्यों न हो आपका आचरण सान्निध्य पाकर और प्रवचन ग्रहण करके वह आपका ही हो जाता है।

प्रस्तुति
विजय कुमार जैन (धुर्रा), अशोक नगर, म.प्र., सह सम्पादक तीर्थ वंदना भा व दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र कमेटी

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में सम्मान समारोह का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में दशलक्षण पर्व के समापन के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाज के सहसचिव नरेश जैन मैड़ता ने बताया कि सुबह मंदिर प्रांगण में तपस्या करने वाले व्रतधारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया । सुबह श्री जी के अभिषेक के बाद में सम्मान समारोह शुरू हुआ ।जिसमें सर्वप्रथम दशलक्षण पर्व में 10 उपवास करने वाली तपस्याधारी मेगा सेठी का समाज के पदाधिकारी के द्वारा अभिनंदन किया गया, इसके बाद में तपस्याधारी पंचोला व्रती, तेलाधारी वृत्तियों का माला ,मुकुट पहनाकर एवं मोमेंटो देकर अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर दशलक्षण पर्व के संयोजक दीपक सेठी , एवं शोभागमाल जैन, रमेश कासलीवाल,पदमचंद जैन, धर्मेंद्र जी गंगवाल,को मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि अनंत चतुर्दशी की शाम को श्रीजी का अभिषेक एवं माल की बोली का आयोजन किया गया।समाज अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस, सचिव सुरेंद्र पाटनी, कोषाध्यक्ष पारसमल छाबड़ा ने अभिषेक एवं माल की बोली के पुण्याजक परिवार विकास काला,अंजना काला परिवार का अभिनंदन किया गया।शाम को सामूहिक विनतियों का कार्यक्रम किया गया । सम्मान समारोह में समाज अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस सभी तपस्या धारी के अनुमोदन एवं समाज के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया ।महिला मंडल सचिव अलका पांडया ने दशलक्षण पर्व के दौरान हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया ।इस मौके पर महिला मंडल कार्यकारिणी टीम एवं समाज के सदस्यगण उपस्थित थे ।

पेट्रोल पम्प डीलर एसोसिएशन की समस्याओं पर विचार करने के लिए गठित समिति की बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर हुई विस्तार से चर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया

पेट्रोल पम्प डीलर एसोसिएशन की समस्याओं पर विचार करने के लिए गठित समिति की बैठक शनिवार को शासन सचिवालय में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न ऑयल कम्पनी आईओसीएल, एच.पी. वी.पी. रिलायंस पेट्रो व नायरा पेट्रो के प्रतिनिधि, वित्त सचिव (राजस्व) के.के. पाठक, वाणिज्य कर आयुक्त श्री रवि कुमार सुरपुर, संयुक्त सचिव (कर) नमृता वृष्णि उपस्थित रहे। बैठक में सभी ऑयल मार्केटिंग कम्पनियों के डिपो की लोकेशन के मुद्दे पर विचार विमर्श किया गया। प्रत्येक सरकारी ऑयल कम्पनी के 3 डिपो हैं, जो जयपुर, जोधपुर एवं भरतपुर में स्थित है। चित्तोड़गढ़, अजमेर और कोटा में एक-एक डिपो है। गंगानगर एवं हनुमानगढ़ में कोई डिपो नही है, वहां दूसरे डिपो से सप्लाई की जाती है। बैठक में पड़ौसी राज्यों के मुकाबले तथा राज्य के भीतर विभिन्न स्थानों पर डीजल व पेट्रोल की कीमत में अन्तर व सीमावर्ती जिलों में उपभोग पैटर्न पर भी चर्चा की गई। समिति ने ऑयल कम्पनियों से विभिन्न बिन्दुओं पर जानकारी मांगी है। जिनमें गंगानगर व हनुमानगढ़ में डिपो खोलने की वायबिलिटी, कीमत अन्तर के कारण सीमावर्ती जिलों में अन्य जिलों के मुकाबले बिक्री पर प्रभाव, एनसीआर-राजस्थान बोर्डर पर पर्यावरण की दृष्टि से लागू प्रावधानों के कारण डीजल बिक्री पर प्रभाव के बिन्दू शामिल हैं। समिति ने राज्य में पेट्रोल और डीजल ट्रांसपोर्टेशन पाईप लाईनों के विस्तार के प्लान पर भी ऑयल कम्पनियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

॥ श्री आदिनाथ नमः ॥

क्षमा वीरस्य भूषणम्

सबसे क्षमा सबको क्षमा

शब्द कितनी ही समझदारी कहें,कार्य कितनी ही सावधानी से करें पर कहीं न कहीं पर वो मर्यादा लांघ ही जाती है निश्चित ही हमसे भी कभी न कभी अनजाने ही ऐसा हुआ होगा।

क्षमावाणीध्संवत्सरी के इस महा पर्व के अवसर पर आप से एवं आपके पूरे परिवार से एवं इस धरा पर विद्यमान सभी जीवों से मेरे या मेरे परिवार जनों द्वारा अनजाने में हुई भूलों के लिए क्षमा चाहते हैं।

उत्तम क्षमा

नरेश जैन - मोनिका जैन

आर्यन जैन- प्रांजल जैन

मेड़ता - जयपुर

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर एवं

आदिनाथ मित्र मण्डल, जयपुर के द्वारा

उत्तम क्षमा

48 दीपको से रिद्धि-सिद्धि मंत्रों के साथ

भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान

एवं सामुहिक क्षमापना समारोह

सोमवार, 2 अक्टुबर 2023
सायं 7.30 बजे से

—: प्रथम दीप प्रज्वलन कर्त्ता :—
श्री टीकम जी-मीनाक्षी जैन
(सांगानेर निवासी)

—: कार्यक्रम ड्रेस कोड :—
पुरुष वर्ग – सफेद कुर्ता पायजामा/पेंट शर्ट
महिला वर्ग – केसरिया/पीली साड़ी

स्थान : श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, संघी जी, सांगानेर, जयपुर

श्री आदिनाथ मित्र मण्डल
राकेश गोदिका संरक्षक | सुनील जैन अध्यक्ष | राजेन्द्र बाकलीवाल मंत्री | मुकेश जैन कोषाध्यक्ष

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फैडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर
राजेश बड़जात्या अध्यक्ष | अनिल कुमार जैन (RL IPS) संस्थापक अध्यक्ष | यश कमल अजमेरा निवर्तमान अध्यक्ष | निर्मल संघी महासचिव | पारस जैन कोषाध्यक्ष

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर
राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष | सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या संरक्षक | दर्शन-विनीता जैन संरक्षक | दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक | मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष | अनिल-निशा संघी सचिव | अनिल-अनीता जैन कोषाध्यक्ष

सखी गुलाबी नगरी जयपुर

अध्यक्ष: सारिका जैन

दो शब्द क्षमा के जीवों को खुशहाल करते हैं
टकराव दूर होता है, खुशिया हजार देते हैं
खुश रहें खुशियां बांटे, महान उसे कहते हैं
अंतरमन से क्षमा याचना

सचिव: स्वाति सेठी

उपाध्यक्ष
सुषमा जैन

उपाध्यक्ष
अनिता जैन

सह सचिव
मोनिका जैन

सह सचिव
ममता सेठी

सह सचिव
रितु जैन

कोषाध्यक्ष
नेहा जैन

सांस्कृतिक मंत्री
मनीषा जैन

ग्रीटिंग कोऑर्डिनेटर
रेशमा गोदिका

पीआरओ
आशा जैन

कार्यकारिणी सदस्यः- सुनीता कसेरा, अंशु जैन, नीलू जैन, निकिता जैन, रानी पाटनी, नीमा सोगानी, अनिता जैन, सुनीता जैन, इंदु जैन, सरोज जैन

एवं समस्त सदस्य **सखी गुलाबी नगरी, जयपुर**

सखी गुलाबी नगरी

Happy Birthday

॥ जय जिनेन्द्र ॥

1 अक्टूबर '23

श्रीमती भानुप्रिया-विशांत जैन

सारिका जैन
अध्यक्ष

स्वाति जैन
सचिव

समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

सखी गुलाबी नगरी

Happy Birthday

॥ जय जिनेन्द्र ॥

1 अक्टूबर '23

श्रीमती मोनालिसा-नितेश जैन

सारिका जैन
अध्यक्ष

स्वाति जैन
सचिव

समस्त सखी गुलाबी नगरी जयपुर परिवार

परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज

41 वाँ दीक्षा दिवस

आगरा

रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से

आओ करें गुरु वन्दना चले जयपुर से आगरा

स्पेशल डिलक्स एसी बसों द्वारा जयपुर की विभिन्न शहर एवं कॉलोनियों से

दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
प्रातः 5.00 बजे – जयपुर से प्रस्थान
सायं 7.30 बजे – आगरा से वापसी
सहयोग राशि : 200/- प्रति सवारी

बस पुण्यार्जक..
- श्री नन्दकिशोर जी महावीरजी प्रमोद जी पहाड़िया
- श्री उत्तम जी पाटनी
- श्री सम्पत जी संजय जी अजय जी पाण्ड्या (श्री जैन रोड़वेज)
- श्री अजय जी विजय जी संजय जी कटारिया
- श्री जम्बू कुमार जी दर्शन जी नवीन जी जैन बस्सीवाले
- श्री शैलेन्द्र जी गोधा (समाचार जगत)
- श्री मोहित जी राणा

संयोजक...
- श्री प्रदीप जी लुहाड़िया
- श्री विनोद जी छाबड़ा 'मोनू'

निवेदक :
सकल दिगम्बर जैन समाज
जयपुर

: सीट बुकिंग हेतु सम्पर्क करें :
महावीर जैन (महावीर यात्रा कम्पनी)
94147-81315 / 98299-99436
अन्तिम तिथि : दिनांक 29 सितम्बर, 2023
जे.के.जैन (केवल मानसरोवर हेतु) 94140-42294